सीएमपीडीआई में कार्यशाला का आयोजन

रांची 17 अगस्त, 2015: सीएमपीडीआई, रांची एवं नेशनल एक्रीडीटेशन बोर्ड फॉर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग ऑफ़ क्वालिटी कांउसिल ऑफ़ इंडिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में कोल इंडिया के अधिकारियों के लिए ईआईए परामर्शदाता संस्थान: आरईवी03 पर संस्थान के "कोयल हॉल" में दिनांक 17 अगस्त, 2015 से 18 अगस्त, 2015 तक एक दो दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्कशाप के मुख्य अतिथि सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ ने आज विधिवत उद्घाटन किया।

मुख्य अतिथि श्री देबनाथ ने अपने उद्बोधन में श्रोताओं का इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि कोल इंडिया लिमिटेड खनन के दौरान दो प्रमुख संसाधनों, यानि वन एवं जल संसाधन, को तैयार कर रही है। आम धारणा यह है कि खनन के दौरान भूमिगत जल का स्तर नीचे हो जाता है, परन्तु केन्द्रीय भूमिगत जल बोर्ड ने अपनी अध्ययन रिपोर्ट में इसे काल्पनिक बताया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया किया कोल इंडिया ने आज की तिथि तक प्रत्येक हेक्टेयर वन क्षेत्र के कटाव के स्थान पर 2.4 हेक्टेयर वन लगाया है। उन्होंने बल दिया कि कोल इंडिया इकोलॉजिकल रिस्टोरेशन तथा वन क्षेत्र के विकास के लिए धन खर्च करने के लिए तैयार है। इस उद्देश्य के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

विशिष्ट अतिथि श्री बी0बी0 धर ने अपने भाषण में विशेष रूप से ईआईए अध्ययन, अनुसंधान एवं विकास तथा कोयला ब्लॉकों के आवंटन में सीएमपीडीआई की महत्ता तथा उपलब्धि का विशेष उल्लेख किया तथा अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में उत्कृष्टता लाने के लिए प्रेरित किया।

एनएबीईटी के प्रिसिंपल एसेसर श्री ए0के0 घोष ने गुणवत्तापूर्ण ईआईए/ईएमपी तैयार करने के लिए योजना की मान्यता के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि एमओईएफ ने राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण प्रकाशित करने हेतु ईआईए रिपोर्ट तैयार करने के लिए कुछ संस्थानों को सूचीबद्ध किया ह,ै जिनमें से एक सीएमपीडीआई भी है।

सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (पर्यावरण) श्री डी0 बसु ने स्वागत भाषण में कहा कि सीएमपीडीआई अब तक नया तथा विस्तारित कोयला परियोजना दोनों के लिए 600 से अधिक ईआईए/ईएमपी दस्तावेजों को तैयार कर चुकी है। इस कार्यशाला में एनएबीईटी, नई दिल्ली से श्री अभय शर्मा, सहायक निदेशक श्री आर0एस0 शर्मा तथा श्री रामकृष्णन ने भाग लिया। श्री पी0सी0 ा-वरीय प्रबंधक (पर्यावरण) ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री एस0 सरन विशेष रूप से उपस्थित थे।

***